खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 20 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-288

DEEVYASHAKTI
The Only Exclusive
DUPLEX TOWER IN KOKAPET
- Tower A - 6750 sft - 6810 sft (Simplex)
- Tower B-5185 sft (Simplex)
- Tower C (Duplex Tower) - 9195 sft to 14810 sft
- 87000 sft lush landscape with water bodies at podium level - 50 ft above ground
- Ceiling Heights - 12.5 ft for Duplex & 12 ft for Simplex
- Luxuriant interiors with European fittings and walk-in closets
- Spacious double height balconies with lake view in the Duplex Units
Happy Diwali
Festival of Lights
OPULENCE REIMAGINED
45 FLOORS WITH PANORAMIC LAKE VIEWS
5 floors and 51,234 sq ft of exclusive recreation in club marquise.
THE MARQUISE
by DEEVYASHAKTI & SSI
Kokapet
VILLA STYLE LIVING IN THE SKY
DEEVYASHAKTI
Sri Sreenivasa INFRA
A legacy of redefining living
Deevyashakti Realty: Transforming cityscapes and living experiences, we are dedicated to customer-centric design, timely delivery and uncompromising quality backed by a 30-year legacy of Deevyashakti Group.
Price on request
+91 9070 909 909
+91 9403 894 331
www.marquise.in
SITE LOCATION

Rockraft

rockraft.india

H.No.8-3-833/103/A, Kamalapuri Colony,
Near Srinagar Colony, Hyderabad-500 073

7-3-45/a,Gagan Pahad, opposite to IndianPetrol
Pump Mandal, Rajendranagar mandal,
Hyderabad, Telangana 500052

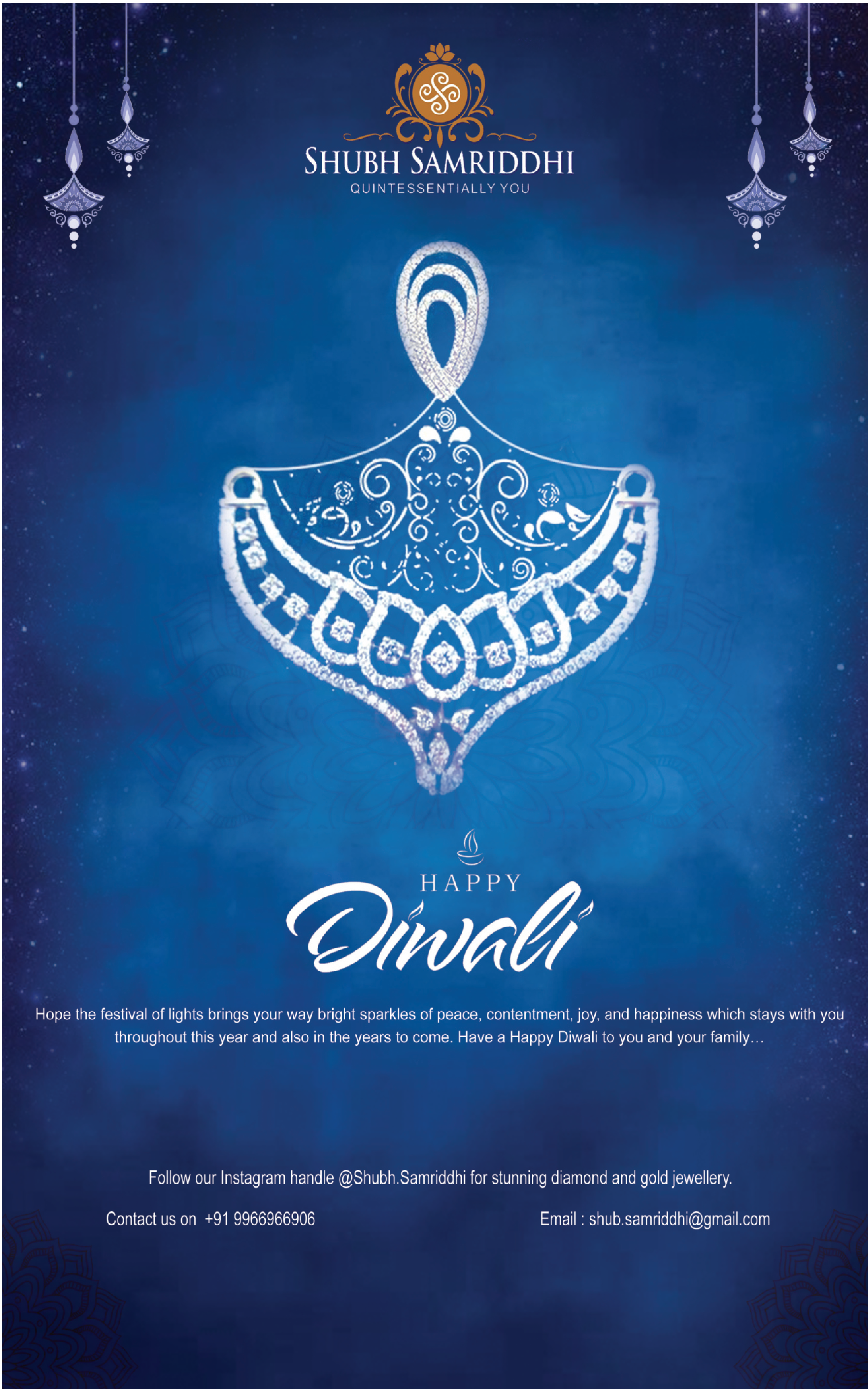
SHUBH SAMRIDDHI
QUINTESSENTIALLY YOU
HAPPY
Diwali
Hope the festival of lights brings your way bright sparkles of peace, contentment, joy, and happiness which stays with you throughout this year and also in the years to come. Have a Happy Diwali to you and your family…
Follow our Instagram handle @Shubh.Samriddhi for stunning diamond and gold jewellery.
Contact us on +91 9966966906
Email : shub.samriddhi@gmail.com

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 20 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-288

लाखों निष्पादन-याचिकाएं लंबित : सुप्रीम कोर्ट नाराज

तामील ही नहीं हुए अदालत के नौ लाख फैसले

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अदालतों में लंबित पड़े करोड़ों मामलों से देश की न्याय व्यवस्था पहले से सवालों के घेरे में है। अब तो यह भी सामने आया है कि अदालतों से जारी करीब नौ लाख आदेश कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। यानि, जिन मामलों में अदालतें अपना फैसला सुना चुकी हैं और उस पर कार्रवाई का आदेश जारी कर चुकी हैं, वे भी शासन के गलियारे में लंबित हैं। यह शासनिक और न्यायिक अराजकता की हद है। अब इन नौ लाख फैसलों के लंबित रहने के दुखद और आश्चर्यजनक तथ्य के साथ उन पांच करोड़ मामलों को भी जोड़ लें, जो देश की विभिन्न अदालतों में लंबित पड़े हैं। और तो और देश की शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट तक में एक लाख से अधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट जिसे बेमानी मुद्दों पर न्यायिक सक्रियता दिखाने और हिंदू देवी-देवताओं पर फूहड़ टिप्पणियां करने से फुर्सत नहीं है।

सनद रहे, देश की विभिन्न अदालतों में 8,82,578 निष्पादन याचिकाएं (अदालती आदेशों को लागू करवाने के लिए दाखिल याचिकाएं) लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अंटके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी उच्च न्यायालयों (हाईकोर्ट) से कहा है कि वे जिला अदालतों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दें ताकि पुराने मामलों को जल्द निपटाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने इतनी भारी संख्या में निष्पादन याचिकाओं के लंबित रहने पर गहरी नाराजगी और चिंता जताई है। उल्लेखनीय है कि जब किसी नागरिक विवाद में अदालत कोई फैसला दे देती है और हारने वाला पक्ष उस आदेश को मानने से इन्कार कर देता है, तब विजेता पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दाखिल करता है ताकि आदेश लागू हो सके। यानि यह प्रक्रिया अदालत के आदेश को जमीन पर उतारने की होती है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने खुद कहा, न्याय है या मजाक!

सुप्रीम कोर्ट में लंबित लाखों मामलों पर न्यायाधीश चुप

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, अदालत का आदेश अगर वर्षों तक लागू ही न हो सके, तो फिर ऐसे आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता। यह न्याय का मजाक बन जाएगा। अदालत ने बताया कि कुल 8,82,578 निष्पादन याचिका लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अटके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के रवैये पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसने लंबित निष्पादन याचिकाओं के आंकड़े सुप्रीम कोर्ट नहीं भेजे। सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती से कहा कि रजिस्ट्रार जनरल दो हफ्तों में जवाब दें कि जानकारी क्यों नहीं दी गई। 6 मार्च को ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी हाईकोर्ट सर्कुलर जारी करें। निष्पादन याचिका छह महीने में निपटाई जाए। अगर कोई देरी होती है तो संबंधित जज जिम्मेदार माने जाएंगे। लेकिन हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट की नहीं सुनता और नीचे की अदालतें हाईकोर्ट की नहीं सुनतीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्याय में देरी न्याय से इन्कार के बराबर है। निष्पादन आदेशों को वर्षों तक लागू न कर पाना व्यवस्था पर ही सवाल उठाता है। अदालत चाहती है कि हाईकोर्ट और जिला अदालतें इस ढर्रे को तुरंत बदलें।

देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों पर नजर डालें तो नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) की रिपोर्ट पर ध्यान जाता है। एनजेडीजी ने निचली अदालतों में लंबित पांच करोड़ मामलों में से 1.78 करोड़ मुकदमों के कारण भी बताए हैं। इनमें से ज्यादातर आपराधिक मामले हैं। इनमें 81 प्रतिशत आपराधिक मामले हैं। बाकी 19 प्रतिशत सिविल मामले हैं। इससे पता चलता है कि आपराधिक मामलों में देरी ज्यादा हो रही है। लगभग 3 करोड़ मामलों के लंबित होने का तो कोई कारण भी नहीं है। बस यूं ही लंबित पड़ा है। इन पर न्यायिक प्रक्रिया का कोई ध्यान नहीं है। एनजेडीजी कहता है कि इसका एक बड़ा कारण वकीलों का उपलब्ध न होना भी है। 62 लाख से ज्यादा मामलों में वकील मौजूद नहीं हुए। इससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पाई। दूसरा बड़ा कारण अदालतों द्वारा तारीख पर तारीख देना है। जजों का आए दिन छुट्टी पर जाना और देखते ही देखते स्थानांतरित होना न्यायिक प्रक्रिया की बहुत बड़ी बाधा है। आरोपियों का फरार होना भी मामलों के लंबित रहने का बड़ा कारण है। 35 लाख से ज्यादा मामलों में आरोपी फरार हैं। जब आरोपी ही नहीं होता, तो केस कैसे चले। लगभग 27 लाख मामलों में गवाह गायब हैं। गवाहों के बिना सबूत पेश करना मुश्किल बताया जाता है। 23 लाख से ज्यादा मामलों पर अलग-अलग अदालतों ने रोक लगा रखी है। यह रोक भी मामलों को आगे बढ़ने से रोकती है। 14 लाख से ज्यादा मामलों में दस्तावेजों का इंतजार है। लगभग 8 लाख मामलों में पार्टियों का दिलचस्पी न लेना बताया गया है। यह देश की न्यायिक व्यवस्था का हाल है।

तेलंगाना समेत देशभर के हथकरघा और वस्त्र उद्योग संकट में

मिलों में काम ठप्प, छंटनी के शिकार लाखों कारीगर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए भारत सरकार रूस से तेल खरीदने और चीन से संबंध साधने का काम कर रही है, लेकिन अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के कपड़ा उद्योगों पर जो असर पड़ रहा है, उसके समाधान के लिए कोई उपाय नहीं किए जा रहे हैं। हालत यह है कि भारत के करीब 3400 कपड़ा मिलों पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है और इन कपड़ा मिलों में काम करने वाले करोड़ों कारीगरों और मजदूरों के बेरोजगार होने का भयानक परिणाम सामने दिखने लगा है।

अमेरिकी टैरिफ ने भारत के उन क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जो अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, जिसके परिणामस्वरूप हजारों मजदूरों की नौकरियां खत्म होने की आशंका है। देश के सबसे बड़े निर्यात क्षेत्रों में से एक, कपड़ा और परिधान उद्योग विशेष रूप से टैरिफ बढ़ने से प्रभावित हुए हैं। कपड़ा उद्योग भारत के सबसे बड़े, संगठित एवं व्यापक उद्योगो में से एक है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा उत्पादक देश है, जिसके पास 3400 से अधिक कपड़ा मिलें हैं। यह देश के औद्योगिक उत्पादन का 14 प्रतिशत, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.3 प्रतिशत, कुल विनिर्मित औद्योगिक उत्पादन का 13 प्रतिशत व कुल निर्यात के 12 प्रतिशत की आपूर्ति करता है। साथ ही वैश्विक वस्त्र एवं परिधान व्यापार में भारत के कपड़ा उद्योग की 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों के मुताबिक कपड़ा उद्योग में करीब 4.5 करोड़ मजदूर कार्यरत हैं।

भारत के 3400 कपड़ा मिलों के बंद होने का खतरा

न राज्य सरकारें ध्यान दे रही हैं, न ही केंद्र सरकार

ट्रंप के टैरिफ का तेलंगाना के हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प उद्योगों पर गहरा असर पड़ा है। हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए हैं, लेकिन न तो राज्य सरकार इस तरफ ध्यान दे रही हैं और न केंद्र सरकार। टैरिफों के कारण निर्यात में तेज गिरावट आई, जिससे उत्पादन घटा और हजारों मजदूरों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया।

तेलंगाना के हथकरघा एवं वस्त्र उद्योगों से जुड़े तथ्य बताते हैं कि टैरिफ लागू होने के दो महीने के भीतर ही अमेरिका से आने वाले ऑर्डरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इससे वारंगल, सिरसिला, करीमनगर, नलगोंडा और मेडचल जैसे प्रमुख उत्पादन केंद्रों में कामकाज ठप्प होता जा रहा है। कोठावाड़ा हथकरघा सहकारी समिति के अध्यक्ष येलुगम भद्रैया ने कहा, देश में हथकरघा उत्पादों की लोकप्रियता कम हो रही है। वर्तमान में निर्यात ही लाभदायक है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को इसे बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए।

तेलंगाना में हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प क्षेत्रों में लगभग 75,000 लोग कार्यरत हैं। इनमें से करीब 20 हजार मजदूर हाल के दो महीनों में बेरोजगार हो गए। दिहाड़ी मजदूरों के लिए भी काम की कमी हो गई है। तेलंगाना से हर साल लगभग 150 करोड़ रुपए मूल्य के वस्त्र अमेरिका को निर्यात किए जाते रहे हैं, जिनमें साड़ियों, कपड़ों और रेडीमेड गारमेंट्स की हिस्सेदारी प्रमुख है। यह ऑर्डर अधिकतर मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद जैसे शहरों की एजेंसियों या सीधे अमेरिकी कंपनियों के जरिए आते थे। लेकिन अब टैरिफ की वजह से ये कंपनियां बांग्लादेश जैसे सस्ते देशों की ओर रुख कर रही हैं। केआरडी टेक्सटाइल्स के मालिक चरन रेड्डी ने कहा, कई कपड़ा उद्योग पहले ही बंद हो चुके हैं। भारत के कपड़ा उद्योग के लिए अमेरिका सबसे बड़े बाजारों में से एक है। यूएस इंटरनेशनल ट्रेड कमीशन के अनुसार 2024 में भारत से करीब 20,740 करोड़ के वस्त्र अमेरिका निर्यात किए गए।

▶10 पर

लैंड-जेहाद से मुक्त कराई गई 9000 एकड़ जमीन

देवभूमि की डेमोग्राफी नहीं बदलने देंगे: धामी

देहरादून, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने राज्य की 9000 एकड़ जमीन लैंड-जेहादियों के कब्जे से मुक्त करा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब कोई भी हरी नीली पीली या किसी भी रंग की चादर डालकर सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता है।

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि 250 अवैध मदरसों को सील किया गया और 500 से अधिक अवैध ढांचे तोड़े गए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड की डेमोग्राफी से कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए, यह केवल उनका नहीं बल्कि पूरी देवभूमि का संकल्प है। सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कड़े कानून बनाए हैं। इसके अलावा, ऑपरेशन कालनेमी के तहत ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जो अपनी असली पहचान छिपाकर हिंदू संत बन कर सनातन धर्म की बदनामी करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून लागू किया गया है और इसके साथ ही लैंड-जेहाद, लव-जेहाद और थूक-जेहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में मदरसा बोर्ड को खत्म कर दिया जाएगा और सभी मदरसों में राज्य शिक्षा बोर्ड का सिलेबस लागू होगा। इससे पहले उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) भी लागू हो चुका है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह कदम किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड में वन भूमि पर एक हजार अवैध मजारें बना दी गई थीं, जिसे वन विभाग ने चिन्हित किया था। वक्फ बोर्ड के दावों के अनुसार भी उत्तराखंड में लगभग पांच हजार धर्मस्थल पंजीकृत हैं। तमाम धार्मिक संगठन सरकारी जमीनों पर कब्जा कर बनाई गई मजारों को हटाने की लगातार मांग कर रहे थे। सबसे ज्यादा मजारें रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में बनाई गई थीं। जिन इलाकों में लकड़ी उठाने तक पर पाबंदी है, वहां मजारें बनाकर जमीनें कब्जा ली गईं, लेकिन वन विभाग और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व खामोश रहा। आंकड़ों के मुताबिक राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 14 मजारें, एक मस्जिद और तीन कब्रिस्तान बना लिए गए थे। कार्बेट टाइगर रिजर्व में 20 मजारें, एक कब्रिस्तान और एक समाधि बना ली गई। जंगलों में इन अवैध धार्मिक स्थलों की संख्या 292 बताई गई थी। संरक्षित क्षेत्रों में इतनी भारी तादाद में अवैध कब्जा आंतरिक सुरक्षा के नजरिए से खतरनाक बताया गया था। ▶10 पर

इसरो को मिली बड़ी सफलता

चंद्रयान-2 ने दी सूरज की जानकारी

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रयान मिशन ने एक बार फिर इतिहास रचा है। इसरो का कहना है कि चंद्रयान-2 ने चंद्रमा पर सूर्य के प्रभाव का पहली बार अवलोकन किया है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरकर इतिहास रचने वाले चंद्रयान-2 ने एक बार फिर नई जानकारी जुटाई है। सूर्य के चांद पर पड़ने वाले असर का चंद्रयान-2 ने पता लगाया है। इसरो ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के अत्यंत विरल वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

इसरो ने बताया कि भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 के लूनर ऑर्बिटर ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी और पहली बार देखी गई घटना दर्ज की है। चंद्रयान-2 पर लगे वैज्ञानिक उपकरण चेस-2 ने सूर्य से निकलने वाले कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के प्रभावों को चंद्रमा के बाह्यमंडल यानी उसके बेहद पतले वायुमंडल पर सीधे देखा है।

चंद्रयान-2 के अवलोकनों से पता चला है कि जब सूर्य का यह विशाल तूफान चंद्रमा से टकराया, तो चंद्रमा के दिन के समय के बाह्य मंडल का कुल दबाव अचानक बढ़ गया। इसरो के मुताबिक चेस-2 ने रिकॉर्ड किया कि वातावरण में परमाणुओं और अणुओं का घनत्व दस गुना से भी अधिक बढ़ गया था। चंद्रयान-2 पहला मिशन है जिसने इसे वास्तव में होते हुए देखा है। यह घटना 10 मई, 2024 को हुई जब सूर्य ने सीएमई की एक शृंखला अंतरिक्ष में फेंकी। चूंकि चंद्रमा के पास पृथ्वी की तरह कोई सुरक्षात्मक चुंबकीय क्षेत्र या सघन वायुमंडल नहीं है, इसलिए सीएमई के आवेशित कण सीधे चंद्रमा की सतह पर टकराए। ▶10 पर

ई-वाहनों पर यूपी सरकार देगी 440 करोड़ की सब्सिडी

जापान-जर्मनी की कंपनियां लगाएंगी ईवी यूनिट

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ई-वाहनों पर 440 करोड़ की सब्सिडी देगी। अगले दो वर्ष में प्रदेश ई-वाहनों का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरेगा। यहां जापान और जर्मनी की कंपनियां भी ईवी इकाइयां लगाने जा रही हैं। पिछले तीन साल में इस मद में केवल 85 करोड़ ही दिए गए थे। 355 करोड़ अगले दो साल में देने का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि इतनी भारी सब्सिडी से यूपी ई वाहनों का सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। अभी देश में बिकने वाले कुल ई वाहनों में यूपी की हिस्सेदारी 18 फीसदी है। उच्च स्तरीय प्राधिकृत ई व्हीकल समिति की बैठक में प्रदेश में ई वाहनों की बिक्री के साथ निर्माण पर खास फोकस किया है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन एवं गतिशीलता नीति-2022 के अंतर्गत प्रथम तीन वर्ष में उत्तर प्रदेश में पंजीकृत सभी ई वाहनों पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान था। इसकी वैधता 13 अक्टूबर 2025 तक थी। नीति में चौथे एवं पांचवें वर्ष में राज्य में ही बनने वाले और पंजीकृत वाहनों पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रभावी था। ▶10 पर

राहुल-तेजस्वी का याराना भंग

मोदी और नीतीश रहे संग-संग

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पहले चरण के मतदान से पहले कई दिलचस्प समीकरण सामने आ रहे हैं। कांग्रेस के राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव का याराना भंग होता दिख रहा है। बिहार के चुनावी माहौल में यह सवाल सब तरफ उछल रहा है कि दोनों दलों के बीच फ्रेंडली फाइट है या खुली जंग। दूसरी तरफ पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संग-संग हैं। अमित शाह एनडीए के सहयोगी दलों में दरार नहीं पड़ने दे रहे हैं। बिहार के सियासी चौसर पर शह-मात की चाल में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन बढ़त बनाता जा रहा है।

बिहार की सियासत में दोस्ती-दुश्मनी की नई इबारत लिखी जा रही है। महागठबंधन की युवा जोड़ी राहुल गांधी-तेजस्वी यादव टिकट बंटवारे के पहले पायदान पर ही भिड़ गई। दोनों कुछ नहीं बोल रहे, लेकिन दोनों दलों के सूरमा एक-दूसरे को जख्मी कर गए। यूं कहें कि नेट प्रैक्टिस में ही महागठबंधन के खिलाड़ी ऐसा भिड़े कि मुकाबले से पहले तमाम खिलाड़ी रिटायर्ड हर्ट होते दिख रहे हैं। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार की जोड़ी और टीम एकजुट है।

कांग्रेस-राजद के बीच सीट बंटवारे की खींचतान अब खुली जंग में बदल चुकी। करीब दर्जनभर सीटों पर दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए। वैशाली से लालगंज, कहलगांव से राजापाकड़ तक दोस्ती में कुश्ती का नजारा साफ है। कांग्रेस के दलित नेता राजेश राम के मुकाबले राजद ने सुरेश पासवान को टिकट थमा दिया। पासवान ने साफ कहा, कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट होगी। वहीं राजेश राम ने साफ कहा फाइट में फ्रेंडली कुछ नहीं होता। लड़ाई तो लड़ाई है। ▶10 पर

दीपावली की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

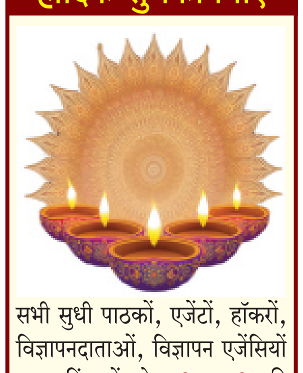

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से **दीपावली** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

संपादक

अवकाश-सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में **शुभ-लाभ** कार्यालय में सोमवार दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को **अवकाश** रहेगा। **शुभ-लाभ** का अगला अंक बुधवार दि. 22 अक्टूबर 2025 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

आज दीपावली

॥ महालक्ष्मी पूजन का समय ॥

प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन किया जाना चाहिए।
प्रदोष समये दीपदानोल्का प्रदर्शन लक्ष्मी पूजनानि कृत्वॉ भोजनं कार्यम्।।
प्रदोष काल – सायं 06:50 से रात्रि 08:24 बजे तक।
स्थिर वृष लग्न – रात्रि 7:18 से रात्रि 9:15 बजे तक
स्थिर सिंह लग्न – मध्य रात्रि 1:48 से 4:04 बजे तक

कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला खुशियों और रोशनी का त्योहार दीपावली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और प्राचीन त्यौहार है। यह त्योहार मां लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है। कुछ जगहों पर इस त्यौहार को नए साल की शुरुआत भी माना जाता है। दीपोत्सव से कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

यह त्यौहार भगवान राम और माता सीता के 14 वर्ष के वनवास के बाद घर आगमन की खुशी में मनाया जाता है। कथाओं के अनुसार दीपावली के दिन ही भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। यह भी कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया तब ब्रजवासियों ने इस दिन दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाईं। जैन धर्म के लोग इस त्योहार को भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। दीपावली की रात को इस रूप में जाना जाता है कि मां लक्ष्मी ने पति के रूप में भगवान विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया। दीपावली का त्योहार भगवान विष्णु के वैकुंठ में वापसी के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। यह भी मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन मां लक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुई थीं। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। दीपावली की रात मां काली की पूजा का भी विधान है।

भारत के त्यौहारों में दीपावली काफी विशिष्ट स्थान रखती है। इस त्योहार के अवसर पर घरों और दूकानों को सजाया-संवारा जाता है। उनकी साफ-सफाई की जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी की पूजा विशेष रुप से की जाती है। हिन्दू धर्म के अनुसार दीपावली के दिन धन की देवी महालक्ष्मी के साथ विघ्न-विनाशक श्री गणेश की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की भी पूजा-आराधना की जाती है। कहा जाता है कि कार्तिक मास की अमावस्या की आधी रात में देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं और हर घर में जाती हैं। जिस घर में स्वच्छता और शुद्धता होती है वह वहां निवास करती हैं।

दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्यौहार है। हर देशवासी को इस त्यौहार का इंतजार रहता है। यह रोशनी और प्रकाश का त्यौहार है। इस दिन बच्चों को खाने के लिए तरह तरह की मिठाइयां मिलती हैं और पटाखे चलाने को मिलते हैं। दीपावली के दिन गणेश लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को दिखाता है। इस दिन घरों में दिए जलाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार की लाइटें, रंग बिरंगी रोशनी लगाई जाती हैं। लोग नए वस्त्र पहनते हैं। शाम को मिठाइयां बांटी जाती हैं, लोग दावतों में जाते हैं।

दीपावली का महत्व

14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने का प्रतीक है दीवाली। अपने पिता राजा दशरथ के आदेश के बाद भगवान राम 'वनवास' के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने भारत के जंगलों और गांवों में 14 साल बिताए। अपने वनवास के अंत में दस मुखी लंका के राजा रावण ने सीता का अपहरण कर लिया था। इसके बाद भगवान राम ने रावण से युद्ध किया और रावण को मारकर अपनी पत्नी को लेकर वापिस अयोध्या लौटे। महाकाव्य रामायण में भगवान राम की जीत बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

दीपावली का त्योहार आते ही घर में एक अलग सा माहौल नजर आने लगता है। जहां एक तरफ पूरे घर को सजाया जाता है, वहीं भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। अगर दीवाली में मां लक्ष्मी को खुश कर लिया तो घर में कभी भी धन की समस्या नहीं होती। लेकिन इसी दिन भगवान गणेश को भी पूजा जाता है। बुद्धि और विवेक के प्रतीक माने जाने वाले गणेश को इस दिन मां लक्ष्मी के साथ क्यों पूजा जाता है। इसके बारे में काफी कम लोग जानते हैं। लेकिन हमारे देश में हर त्योहार और उसे मनाने के तरीके के पीछे एक कहानी छिपी होती है। दीवाली पर गणेश और लक्ष्मी की पूजा के पीछे भी एक ऐसी कहानी है।

कहानी – ग्रंथों के मुताबिक एक बार एक वैरागी साधु को राजसुख भोगने की इच्छा जागृत हुई, इसके लिए उसने मां लक्ष्मी की आराधना शुरू की। उसकी कड़ी तपस्या और आर-ाधना से लक्ष्मी जी प्रसन्न हुईं और उसे दर्शन देकर वरदान दिया कि उसे उच्च पद और सम्मान प्राप्त होगा। इसके बाद वह साधु राज दरबार में पहुंचा। वरदान मिलने से उसे अभिमान हो गया था। उसने भरे दरबार में राजा को धक्का मारा जिससे राजा का मुकुट नीचे गिर गया।

राजा व उसके साथी उसे मारने के लिए दौड़े। लेकिन इसी बीच राजा के गिरे हुए मुकुट से एक कालानाग निकल कर बाहर आया। सभी चौंक गए और साधु को चमत्कारी समझकर उसकी जय जयकार करने लगे। राजा ने इस बात से प्रसन्न होकर साधु को अपना मंत्री बना दिया। उस साधु को रहने के लिए अलग से महल भी दे दिया गया। राजा को एक दिन वह साधु भरे दरबार से हाथ खींचकर बाहर ले गया। यह देख दरबारी जन भी पीछे भागे। सभी के बाहर जाते ही भूकंप आया और भवन खण्डहर में तब्दील हो गया। लोगों को लगा कि साधु ने सबकी जान बचाई। इसके बाद साधु का मान-सम्मान और भी ज्यादा बढ़ गया। अब इस वैरागी साधु में अहंकार और भी ज्यादा बढ़ गया।

हटवा दी गणेश की प्रतिमा

राजा के महल में एक गणेश जी की प्रतिमा थी. एक दिन साधु ने यह कहकर वह प्रतिमा हटवा दी कि यह देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं है। कहा जाता है कि साधु के इस कार्य से गणेश जी रुष्ठ हो गए। उसी दिन से उस मंत्री बने साधु की

बुद्धि भ्रष्ट होना शुरू हो गई और वह ऐसे काम करने लगा जो लोगों की नजरों में काफी बुरे थे।. इसे देखते हुए राजा ने उस साधु से नाराज होकर उसे कारागार में डाल दिया।. साधु जेल में एक बार फिर से लक्ष्मी जी की आराधना करने लगा।. लक्ष्मी जी ने दर्शन देकर उससे कहा कि तुमने भगवान गणेश का अपमान किया है। इसके लिए गणेश जी की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करो। इसके बाद वह साधु गणेश जी की आराधना करने लगा। उसकी इस आराधना से गणेश जी का क्रोध शान्त हो गया। एक रात गणेश जी ने राजा के स्वप्न में आकर कहा कि साधु को फिर से मंत्री बनाया जाए। राजा ने आदेश का पालन करते हुए साधु को मंत्री पद दे दिया। इस घटना के बाद से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा एक साथ होने लगी।

बिना बुद्धि के धन नहीं

भगवान गणेश बुद्धि के प्रतीक हैं तो मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की। घरों में इन मूर्तियों को स्थापित कर पूजन करने से धन और सद्बुद्धि दोनों आएगी। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन का प्रतीक माना गया है, जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है, जब तक वह मां न बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयीं। पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थीं कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएंगी, लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौंप दिया। इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि सुख-समृद्धि के लिए पहले गणेश जी की पूजा करनी पड़ेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी

इन मंत्रों से करें मां को प्रसन्न

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि यह मां लक्ष्मी के अलग-अलग नाम हैं, जिनका जप करने से मां प्रसन्न होती है।

ॐ आद्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः, ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ अमृतलक्ष्म्यै नमः, ॐ कामलक्ष्म्यै नमः, ॐ सत्यलक्ष्म्यै नमः,
ॐ भोगलक्ष्म्यै नमः, ॐ योगलक्ष्म्यै नमः.
ऊं अपवित्रः पवित्रोवा सर्वावस्थां गतो पिवा ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः।।
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

पूजा सामग्री – दीपावली के शुभ अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा में कलावा, अक्षत, लाल वस्त्र, फूल, पांच सुपारी, रोली, सिंदूर, एक नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र, फूल, पांच सुपारी, लौंग, पान के पत्ते, घी, कलश, कलश के लिए आम का पल्लव, चौकी, समिधा, हवन कुण्ड, हवन सामग्री, कमल गट्टे, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल), फल, बताशे, मिठाईयां, पूजा में बैठने हेतु आसन, हल्दी , अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, रूई, आरती की थाली, कुशा, रक्त चंदनद, श्रीखंड चंदन पूजन सामग्री का इस्तेमाल करें।

पूजा विधि –पूजन शुरू करने से पहले चौकी को अच्छी तरह से धोकर उसके ऊपर खूबसूरत सी रंगोली बनाएं, इसके बाद इस चौकी के चारों तरफ दीपक जलाएं. मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से पहले थोड़े से चावल रख लें।मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए उनके बाईं ओर भगवान विष्णु की प्रतिमा को भी स्थापित करें. अगर आप किसी पंडित को बुलाकर पूजन करवा सकते हैं तो यह काफी अच्छा रहेगा। लेकिन आप अगर खुद मां लक्ष्मी का पूजन करना चाहते हैं तो सबसे पहले पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल, मिठाई, मेवा, सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर इस त्योहार के पूजन के लिए संकल्प लें।सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें और इसके बाद आपने चौकी पर जिस भगवान को स्थापित किया है उनकी. इसके बाद कलश की स्थापना करें और मां लक्ष्मी का ध्यान करें. मां लक्ष्मी को इस दिन लाल वस्त्र जरूर पहनाएं. इससे मां काफी प्रसन्न होंगी और इस दीवाली आपके घर में भी खुशियों का बसेरा होगा।

दीपावली के पूजन के शुभ प्रतीक

दीपावली के पूजन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा से जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली के पूजन के कौन-से शुभ प्रतीक हैं।

दीपक – दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं जो कि उचित नहीं है।

रंगोली –उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है।घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।

कौड़ी –पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।

तांबे का सिक्का –तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश–भूमि पर कुंकू से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकूम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है।

श्रीयंत्र– धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र। यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

फूल– कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुक्ति का प्रतीक माना गया है। सभी देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य – लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते हैं।

दीपावली पूजन मुहूर्त

इस दिन पूरा दिन ही शुभ माना जाता है। इस दिन किसी भी समय पूजन कर सकते हैं लेकिन प्रदोष काल से लेकर निशाकाल तक समय शुभ होता है।

महालक्ष्मी पूजन का समय

प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन किया जाना चाहिए।
प्रदोष समये दीपदानोल्का प्रदर्शन लक्ष्मी पूजनानि कृत्वॉ भोजनं कार्यम्।।
प्रदोष काल – सायं 06:50 से रात्रि 08:24 बजे तक।
स्थिर वृष लग्न – रात्रि 7:18 से रात्रि 9:15 बजे तक
स्थिर सिंह लग्न – मध्य रात्रि 1:48 से 4:04 बजे तक

सबसे श्रेष्ठ समय

सायं 7:30 मिनट से 7:43 मिनट का है।
इसमें प्रदोष काल, स्थिर लग्न वृषभ और स्थिर नवमांश कुंभ का समय रहेगा।

चौघडिया मुहुर्त

चर का चौघडिया – सांय 5.51 से रात्रि 7.26 बजे तक
लाभ का चौघडिया – रात्रि 10.37 से रात्रि 12.12 बजे तक
शुभ-अमृत का चौधडिया – मध्य रात्रि 1.48 से 4.58 बजे तक रहेगा।

अनेक वर्षों से अगर पीछे पड़ गई हो दरिद्रता तो इस प्रकार दरिद्रता से पीछा छुड़वाएं

अमावस्या का दिन केवल अंधकार का नहीं, बल्कि अंतर के दीप जलाने का भी होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन यदि मनुष्य सच्चे भाव से दरिद्र नारायण, अर्थात् किसी भूखे, निर्धन, असहाय या जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करता है, तो वह आपके दुःख, दर्द का भक्षण करता है, बदले में आपको सुख, शांति, समृद्धि प्राप्त होती है।

दरिद्र नारायण कोई साधारण व्यक्ति नहीं होते। वे स्वयं भगवान विष्णु के ही स्वरूप माने गए हैं, जो दरिद्र रूप में मनुष्य की करुणा और करुणा भाव की परीक्षा लेने आते हैं। इसलिए अमावस्या के दिन उन्हें खोजें सड़क किनारे बैठे किसी भूखे को भोजन दें, किसी वृद्ध या असहाय को वस्त्र दान करें, किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाएं। अनेक बार अनेक लोगों ने दरिद्र नारायण के आशीर्वाद से जीवन में सुख, समृद्धि, लक्ष्मी, ऐश्वर्य प्राप्त किया है। जब दरिद्र नारायण प्रसन्न हो जाते हैं, तो वे अपनी कृपा से आपके घर की दरिद्रता साथ ले जाते हैं और वहां महालक्ष्मी का वास करवा देते हैं।

अमावस्या के दिन किया गया सच्चे मन से दान केवल बाहरी दरिद्रता नहीं मिटाता, बल्कि मन की कृपणता और दरिद्रता को भी मिटाता है। जिस क्षण व्यक्ति के मन से दरिद्रता निकलती है, उसी क्षण उसके घर से भी दरिद्रता निकल जाती है। इसलिए आपने देखा होगा काफी लोग दान-पुण्य, सेवा-कर्म करते रहते हैं। निःस्वार्थ दान-पुण्य, सेवा करने वाले के मन से दरिद्रता पलायन कर देती है।

प्रत्येक अमावस्या को सेवा-सत्कार्य, दान-पुण्य कर्म अवश्य करना चाहिए। कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली का महापर्व मनाया जाता है। इस दिन भी लोग दरिद्र नारायण की सेवा करते हैं क्योंकि जब दरिद्र नारायण संतुष्ट होते हैं, तब लक्ष्मी स्वयं आपके द्वार ठहर जाती हैं। लक्ष्मी पुण्य कर्मों से आती हैं। दीपावली के दिन हमें चाहिए कि गरीब बच्चों में मिठाइयां, खुशियां बांटें ताकि हमारे जीवन में भी खुशियां आएं, क्योंकि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं।

Sunita Gems
&
Jewels Pvt Ltd
HAPPY
Diwali
Sunita Bagaria | Sidharth Bagaria | Kabya Bagaria
MANUFACTURERS & WHOLESALERS
Corp Office: 6-3-883/2/3, 3rd floor, Mahalakshmi house, Punjagutta-Hyderabad-500082, Telengana,
Regd Office: 1-8-337, 1st floor, Indian Air Lines Colony, Begumpet, Secunderabad,
Hyderabad-500016, Telengana, Tel: +917569598181.
Email: sidharth@sunitajewels.com,info@sunitajewels.com,
sunitajewels@gmail.com, Website: wwwsunitajewels.com

शुभ दीपावली
माँ लक्ष्मी की कृपा से, जीवन में सुख और समृद्धि का वास हो। घर-घर में खुशियाँ और उल्लास छा जाए। दिवाली के दीप आपके जीवन को रोशन करें। और देवी लक्ष्मी की कृपा से, आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों।
KAMDHENU Nxt
DOUBLE RIB TMT BAR
Steel
for modern
Engineering
KAMDHENU STEEL
Next Generation
INTERLOCK
Steel
KAY2 500
KAMDHENU COLOUR MAX
COLOUR COATED METAL SHEETS
KAMDHENU GROUP
KAMDHENU SHEETS
Kay2 STEEL
TMT BARS
AMBICA IRON & STEEL (HYD) PVT. LTD.
Address : 19-918-4 to 6, Puranapul, Bahadurpura Road,
Hyderabad - Telangana, Pin - 500 064.
Phone : 25528840, 24411922, 24576839,
Mobile No. : 9849032456
Email : ambica_gopal@yahoo.co.in
Deals in all kinds of Iron & Steel

Happy Diwali
RED AMBULANCES
Accredited by
RED AIR AMBULANCE
From Pick Up Location-to-Airport-to-Drop location
COMPLETE BED TO BED TRANSFER
4.8/5 GOOGLE REVIEWS
EXPERT MEDICAL TEAM
500+ AIR TRANSFERS
ROAD AMBULANCE
AIR AMBULANCE
TRAIN AMBULANCE
CALL FOR EMERGENCY SUPPORT
911 4 911 911
POWERED BY
RED.HEALTH

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

> सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है

मेरा लेख दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

ललित गर्ग

> दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं। दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है।

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं। दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है। दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो,

नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, "सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने।" यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा। दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-"दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।" जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

दृष्टि कोण

कृत्रिम बारिश योजना में खाद्य संकट के जोखिम

दिवाली उत्सव पर प्रतिवर्ष की जाने वाली आतिशबाज़ी से गंभीर वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसे कम करने के लिए इस साल दिल्ली सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश दके जरिये मौसम का मिज़ाज बदलने की योजना बनाई है, जिससे खरीफ फसलों की कटाई-गहाई और रबी की बुआई पर असर पड़ने की आशंका है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकती है। पिछले छह दशक से देश की खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार किसानों से धान और गेहूं खरीदती है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत योगदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों का रहा है, जहां अभी अक्तूबर-नवंबर महीने में खरीफ फसलों—धान, ज्वार, बाजरा, मूंग, अरहर, कपास आदि की कटाई-गहाई और रबी फसलों —गेहूं, जौ, चना, सरसों, मसूर, आलू आदि की बुआई चल रही है, जिसके लिए बिना बारिश वाला सूखा मौसम अति आवश्यक है। निस्संदेह, जब किसान खरीफ फसलों की उपज समेटने और रबी की बुआई में व्यस्त हैं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों की कृषि उपज विपणन मंडियां अनाज से भरी हुई हैं, तब दिल्ली सरकार द्वारा दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश करवाने की योजना अव्यावहारिक है जिससे किसान का नुकसान भी हो सकता है। ऐसे समय की जाने वाली कृत्रिम बारिश के चलते किसानों की खरीफ फसल उपज और मंडियों में अनाज की बर्बादी तथा बुआई की गई फसलों के खराब होने की संभावना रहेगी। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्राकृतिक वर्षा तब होती है जब सूरज की गर्मी से नम हवा गर्म और हल्की होकर ऊपर उठती है। ऊपर उठी हुई हवा का दबाव कम हो जाता है और आसमान में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वह ठंडी हो जाती है। जब इस हवा में सघनता बढ़ जाती है तो वर्षा की बूंदें बड़ी होकर हवा में देर तक नहीं ठहर पातीं और बारिश के रूप में नीचे गिरने लगती हैं। लेकिन कृत्रिम वर्षा करने के लिए सिल्वर आयोडाइड और सूखी बर्फ जैसे ठंडा करने वाले रसायनों का प्रयोग करके कृत्रिम बादल बनाकर वर्षा करवाई जाती है। मानव-निर्मित गतिविधियों के जरिये

कृत्रिम बादल बनाने और फिर उनसे वर्षा कराने की क्रिया को 'क्लाउड सीडिंग' कहा जाता है। हालांकि, क्लाउड सीडिंग के कई फायदे हैं, लेकिन मौसम परिवर्तन की यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों में जल और वायु प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्र का विघटन, असामान्य मौसम परिवर्तन और मिट्टी व पानी में रसायनों का जमाव शामिल है। इसके उपयोग से सिल्वर आयोडाइड जैसे हानिकारक रसायन हवा, पानी और मिट्टी में मिल सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।

पृष्ठ पांच का शेष...

मिलों में काम ...

वहीं अमेरिका के कुल कपड़ों के आयात में 33 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता होता है। व्यापार थिंक-टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का अनुमान है कि 2025-26 में अमेरिका को भारत का निर्यात लगभग 43 प्रतिशत घटकर 87 अरब डॉलर से 49.6 अरब डॉलर हो सकता है। 50 प्रतिशत टैरिफ बढ़ने के बाद, एक भारतीय निर्मित शर्ट की कीमत अमेरिकी खरीदारों को 16.40 डॉलर में मिलेगी, जो पहले 10 डॉलर में बिकती थी। यह कीमत चीन की 14.20 डॉलर, बांग्लादेश की 13.20 डॉलर या वियतनाम की 12 डॉलर की कीमत से कहीं अधिक महंगी है। भारतीय निर्यातकों के संगठन फियो यानी फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष एससी रल्हन कहते हैं कि सूरत, तिरुपुर से लेकर नोएडा तक कई ऐपरेल और टेक्सटाइल निर्माताओं ने प्रोडक्शन लागत बढ़ने की वजह से उत्पादन रोक दिया है। इसका असर नौकरियों से मजदूरों की छंटनी के रूप में सामने आ रहा है। जब तक टैरिफ युद्ध की समस्या का कोई समाधान नहीं निकलता या भारत को पर्याप्त वैकल्पिक बाजार नहीं मिलते तब तक यह समस्या जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित नोएडा में ही करीब साढ़े चार हजार कपड़े की फैक्ट्रियां हैं। इनमें करीब दस लाख मजदूर काम करते हैं। यह भी तथ्य है कि इन कंपनियों में किसी भी तरह का श्रम कानून लागू नहीं होता। इन कंपनियों में 12 घंटे की शिफ्ट चलती है। अधिकांश मजदूर बेहतर कमाई की आस में अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहते हैं। इतनी कम तनख्वाह पर ओवरटाइम करना तो इस उद्योग में आम बात है। ओवरटाइम का भुगतान भी सिंगल रेट से होता है। हर रोज (रविवार को भी) 3 से 4 घंटे ओवरटाइम करने के बाद मजदूर महीने में 15-18 हजार रुपए ही कमा पाते हैं। कुछ मजदूरों के अनुसार वे हर हफ्ते लगभग 50-60 घंटे ओवरटाइम करते हैं। उत्पादन के चरम समय पर रात को 2 बजे तक काम करना पड़ता है। ईएसआई और पीएफ जैसे कानून किसी फैक्ट्री में लागू नहीं होते। साथ ही पीस रेट पर काम करने वाले मजदूर भी इस उद्योग में काफी संख्या में हैं। कपड़े के हर मीटर पर मिलने वाली मजदूरी में भी गिरावट आई है। वर्तमान में यह संख्या 1.8 से 3 रुपए प्रति मीटर के बीच है। इसके अलावा इस उद्योग में आए-दिन हादसे होते हैं। उंगली कटना, मशीन में फंसना या कुचले जाना, बीम उठाकर सीढ़ियां चढ़ते वक्त फिसलकर गिरना, उड़ती शटल से चोट खाना, करंट लगना या आग से झुलसना- मजदूरों की जान को खतरा लगातार बना रहता है। मालिकों द्वारा मजदूरों को किसी भी प्रकार के सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए जाते हैं। यह टैरिफ लगने से पहले कपड़ा उद्योग में मजदूरों की सामान्य स्थिति है।

टैरिफ लगने के बाद कपड़ा उद्योग के मजदूरों की स्थिति और अधिक बदहाल हो गई है। एक तरफ तो अधिकतर कंपनियों में से आधे मजदूरों को बिना नोटिस दिए काम से निकाला जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ बहुत से मजदूरों को बिना वेतन काम से कई दिनों की छुट्टी दी जा रही है। जिन्हें काम से निकाला नहीं गया, उनकी 8 घंटे की शिफ्ट चल रही है, जिस कारण उन्हें 8-9 हजार वेतन ही मिल रहा है, जो कि आज के महंगाई के दौर में नाकाफी है। सालों तक कपड़ा लाइन में काम कर चुके मजदूरों को अब किसी और फैक्ट्री में भी काम नहीं मिल रहा है। अलग-अलग राज्यों से काम करने आए मजदूरों को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नौकरी जाने या बिना वेतन के छुट्टी मिलने के कारण मजदूरों को मकान का किराया देने से लेकर राशन लेने और घर का खर्च चलाने के लिए बेहद मशक्कत करना पड़ रहा है। ऐसे में यह साफ हो जाता है कि टैरिफ बढ़ने से सबसे अधिक गाज मजदूरों पर ही गिरी है।

देवभूमि की...

जिम कार्बेट नेशनल पार्क में 20 से ज्यादा मजारें पाई गईं। अवैध मजारों में से करीब 102 मजारें ऐसी थीं, जिन्हें तोड़े जाने पर उनके नीचे कोई मानव अवशेष नहीं मिला। साफ जाहिर है कि ये मजारें कब्जे की नीयत से बनी थीं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक स्थलों की आड़ में उत्तराखंड में 11 हजार हेक्टेयर से ज्यादा वन भूमि अतिक्रमण की चपेट में है।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट है कि देवभूमि उत्तराखंड को सोच समझ कर टार्गेट किया गया और वहां धर्मस्थलों के बहाने ठिकाने बनाए गए। देवभूमि को पहले लव जेहाद, फिर लैंड जेहाद और चादर जेहाद का शिकार बनाया गया। जब स्थानीय लोग इसके खिलाफ खड़े हुए तब जाकर सरकार जागी। लोगों का कहना है कि मजारों की आड़ में चादर-जेहाद को रणनीतिक तौर पर इस्तेमाल करते हुए मुस्लिम समुदाय के बाहरी लोग पहाड़ों में आकर बस गए। नैनीताल में भी इसी तरह डेमोग्राफी बदली गई। हल्द्वानी को तो पूरी तरह जनसंख्या-प्रदूषित कर दिया गया।

चंद्रयान-2 ने दी...

इन कणों की टक्कर से चंद्रमा की सतह से बड़ी संख्या में परमाणु और अणु उछलकर बाह्यमंडल में मुक्त हो गए, जिससे वातावरण अचानक फूल गया।

चंद्रयान-2 ने पहली बार वैज्ञानिक रूप से यह अवलोकन किया है कि सूर्य की कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) यानी सूर्य से विशाल मात्रा में ऊर्जा और कणों का विस्फोट चंद्रमा के वातावरण को कैसे प्रभावित करता है। यह जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दी। कोरोनल मास इजेक्शन तब होता है, जब सूर्य अपनी निर्माण सामग्री, जिसमें मुख्यतः हीलियम और हाइड्रोजन आयन होते हैं, जिनका महत्वपूर्ण मात्रा में उत्सर्जन करता है। ये प्रभाव चंद्रमा पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि चंद्रमा एक वायुहीन पिंड है और वह भी किसी भी वैश्विक चुंबकीय क्षेत्र से रहित है, जिसकी उपस्थिति इसकी सतह पर सौर प्रभावों को रोक सकती थी। इसरो ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के अत्यंत पतले वायुमंडल (लूनर एक्सोस्फीयर) की बेहतर समझ और अंतरिक्षीय मौसम के चंद्र सतह पर प्रभाव का अध्ययन संभव हो सकेगा। चंद्रयान-2 मिशन को 22 जुलाई 2019 को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। यह मिशन आठ वैज्ञानिक उपकरणों के साथ गया था और 20 अगस्त 2019 को यह सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया था। हालांकि 7 सितंबर 2019 को विक्रम लैंडर से संपर्क टूट गया था, लेकिन ऑर्बिटर अभी भी चंद्रमा की 100 किमी 100 किमी की कक्षा में सक्रिय है और निरंतर वैज्ञानिक डेटा भेज रहा है। इसरो ने यह भी कहा कि यह खोज वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चंद्रमा और अंतरिक्ष मौसम की समझ को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य में चंद्रमा पर बनने वाले बेस (चंद्र आवासों) के लिए भी चेतावनी है। चंद्रमा पर मानव मिशन या स्थायी ठिकाने बनाने से पहले वैज्ञानिकों को इस तरह के सौर तूफानों और उनके प्रभावों को ध्यान में रखना होगा।

ई-वाहनों पर...

इसे दो वर्ष और बढ़ाने के फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह शून्य उत्सर्जन वाहन को बढ़ावा देना है। इसके लिए भारत में प्रमुख ईवी नीतियों की समीक्षा भी की गई। इसमें यह बात सामने आई कि दिल्ली, महाराष्ट्र कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्य ईवी वाहनों के पंजीकरण शुल्क एवं रोड टैक्स में 100 प्रतिशत तक छूट दे रहे हैं। समिति ने पाया कि नीति के तहत अगले दो वर्ष भी राज्य सरकार 100 फीसदी छूट जारी रख सकती है। इस निर्णय से राज्य में ईवी अपनाने की दर में वृद्धि होगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट-2024 के अनुसार उत्तर प्रदेश परफॉर्मर श्रेणी में आता हैं, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूरे देश में बिके कुल ई वाहनों में राज्य का बाजार हिस्सा 18 प्रतिशत रहा। शासन ने इससे निष्कर्ष निकाला कि उत्तर प्रदेश में ईवी की स्वीकृति पर जोर देने की अभी भी प्रबल आवश्यकता है, जिससे राज्य में ईवी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण और ईवी उपयोग की वृद्धि और तेज होगी।

दो वर्ष के लिए सब्सिडी जारी रखने के साथ राज्य में निर्मित वाहनों की शर्त को इसलिए हटाया गया है क्योंकि उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर ईवी विनिर्माण सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। राज्य सरकार इन्वेस्ट यूपी में स्थापित समर्पित ऑटो-डेस्क के माध्यम से ऑटो कंपनियों और घटक विनिर्माताओं को आकर्षित कर रही है। इसमें जापान और जर्मनी की कंपनियों ने रुचि दिखाई है जो जल्द ई वाहनों का विनिर्माण केंद्र यूपी में लगा सकती हैं।

मोदी और ...

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट को ठेंगा दिखाकर टिकट बंटवारे से असंतोष चरम पर है। वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने खुला सवाल उठाया कि जो कल तक कांग्रेस को कोसते थे, उन्हें टिकट कैसे? योगेंद्र यादव के करीबी अनुपम को टिकट मिलने से कार्यकर्ताओं में बगावत भड़क उठी है। राजद के भीतर भी कई सीटों पर नाराजगी, और कांग्रेस में नेतृत्व-संवाद की कमी से गठबंधन की एकता पर खतरा मंडरा रहा। मौजूदा स्थिति से खिन्न बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता और प्रदेश के शोध विभाग के अध्यक्ष आनंद माधव ने कहा कि हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था के खिलाफ आवाज नहीं उठाई तो ये कांग्रेस के लोकतांत्रिक मूल्यों और फासीवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष को कमजोर करेगा। उन्होंने करीब 150 कांग्रेस के पूर्व विधायकों, जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ मीडिया से बात की और कहा कि हम आवाज उठा रहे हैं ताकि आलाकमान तक सच्चाई पहुंचे।

दूसरी तरफ शुरुआती रस्साकशी के बाद एनडीए में तालमेल बढ़िया दिख रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने जदयू-भाजपा संगठन और बूथ प्रबंधन की कमान खुद थामी। उन्होंने इसे चुनावी अनुशासन का नया मॉडल बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने पटना के होटल मौर्यालोक पहुंचते ही संगठन के नट-बोल्ट कस दिए। पहले अलीनगर से पराजय की कगार पर खड़ी मैथिली ठाकुर के सामने बागी उम्मीदवार पप्पू सिंह को बिठाया और फिर औरंगाबाद सीट पर खड़े दो निर्दलीय उम्मीदवारों को भी समझा लिया। शाह के मैनेजमेंट ने पार्टी को रेस में वापसी का मौका दिया।

पीएम मोदी बिहार में 12 मेगा रैलियां करने वाले हैं। 23 अक्टूबर को सासाराम, भागलपुर, गया के बाद 28 अक्टूबर को पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, फिर एक नवंबर को पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, छपरा और तीन नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया में प्रधानमंत्री की रैली होगी। दूसरी तरफ चुनाव से पहले वोट चोरी का बवाल काटने वाले राहुल गांधी परिदृश्य से लापता हैं। कांग्रेस और महागठबंधन पर इसका प्रभाव खराब पड़ा है। बिहार का चुनाव विचारों से ज्यादा टीम मैनेजमेंट का है। महागठबंधन सीटों पर उलझा, टिकटों पर बिखरा और प्रचार पर अटका। एनडीए एकजुट रणनीति से मैदान पर हावी दिख रहा है। एक तरफ फ्रेंडली फाइट की जद्दोजहद तो दूसरी ओर नीतीश-मोदी की केमिस्ट्री। दीवाली के बाद हवाएं कैसी चलेंगी, उससे ही तय होगा कि 14 नवंबर को बिहार में सत्ता की दीवाली कौन मनाएगा। वैसे स्थितियां अभी से ही साफ होती दिखने लगी हैं।

SRI Jagdamba®
Since 1924
PEARLS * GOLD * DIAMONDS
Happy Diwali
FESTIVAL OF LIGHTS
Illuminate your festive celebrations with our stunning collection of handcrafted jewels - where timeless beauty meets modern elegance
Walk-in Today
HYDERABAD: • M.G.ROAD • DR.A.S.RAO NAGAR: Main Road • GACHIBOWLI: Near Inox: Prism Mall
BENGALURU: • Forum South Bengaluru • Lulu Mall
Shop Online at www.jpearls.com Tel: 95553 00600 WhatsApp: 72077 74202
Scan For Whatsapp
elements.co.in

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
आज सोमवार, 20-10-2025 एवं कल मंगलवार, 21-10-2025 अमावस्या है।
दीपावली के शुभ अवसर पर साक्षात मां लक्ष्मी स्वरुपा गौमाता की सेवा करें।
गोपाष्टमी
अन्नकूट महोत्सव
गुरुवार, दि. 30-10-2025
9849379735, 9100353375

अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय दीपोत्सव

अयोध्या उतरे भगवान श्रीराम

* सीएम योगी ने किया सियाराम का पूजन-स्वागत
* दीपोत्सव का बना गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

रामनगरी अयोध्या में रविवार की शाम अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय रही। दीपोत्सव में 26 लाख 17 हजार 215 दीपों से जगमगाती रामनगरी को प्रकृति भी अपलक निहारती रही। रामायण की गाथा लेजर शो के जरिए जाग्रत हुई और आतिशबाजी ने पूरे वातावरण को प्रकाश-सिक्त कर दिया। पुष्पक विमान से से अयोध्या की धरती पर उतरे भगवान श्रीराम, मां सीता, भ्राता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और संकटमोचक श्री हनुमान एवं ऋषि मुनियों का स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने किया। सीएम योगी और संतों ने श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक भी किया। श्रीराम की उपस्थिति में हुए दीपोत्सव में 2128 वेदाचार्यों ने सरयू आरती की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सरयू मैया की आरती उतारी। देश और विदेश से आए श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में भी दीप जलाए और पूजा अर्चना की। दीपोत्सव में शामिल हुआ जनसमूह भाव विह्वल दिखा और पूरी अयोध्या जय श्रीराम के नारों से गूंजती रही। श्रीराम और माता सीता का जयकारा लगाने में विदेशी श्रद्धालु भी पूरे उत्साह से शामिल दिखे।

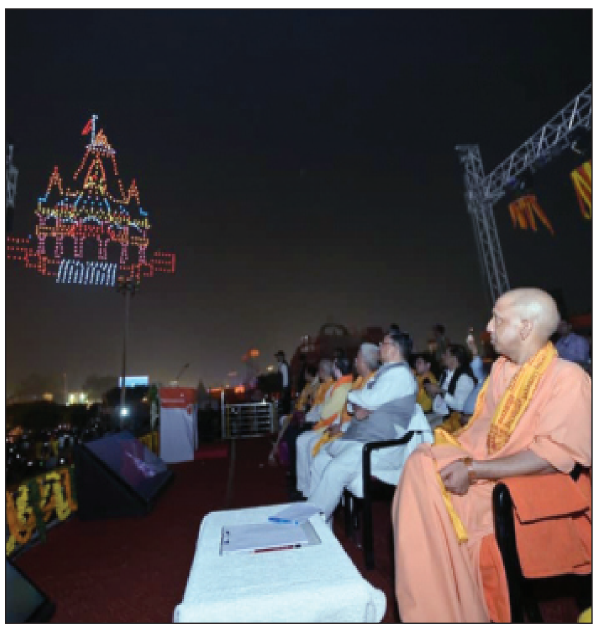

happy diwali
Manoj Patil
Vinod M
Cell : 89566 38116, 99592 93580
Natraj REFINERY
GOLD & SILVER TESTING & MELTING
Shop No. 7-2-437/A1, Pot Market, Ashok Nagar, Secunderabad - 03

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
श्री परशुराम सेवा मंडल
नवलोक फूडवाला एंड टिफिन्स व चाट
नवरतन इंदौरिया

May the festival of lights brighten your life and bring endless happiness!
शुभ Diwali
NITIN SUGARS
Vinod Kumar Chandak
Bhagwan Das Chandak

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री कृष्णा गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला)
आज कार्तिक अमावस्या
अब आप गोग्रास हेतु ऑनलाईन भी अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।
सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार !!
LUXXURO MODULAR FURNITURES
Gagan Pahad, Hyderabad. M: 9391043141

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
Dhyan Foundation
ध्यान फाउंडेशन गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3000 से अधिक गौवंश का घर
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

जीव दया JEEV DAYA
श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा, हैदराबाद
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
पहली रोटी गाय की
प्रतिदिन ताजी रोटी की सेवा कि जाती है
एक पैकेट 50 रोटी 125/-
1 दिन की गौ सेवा (41 पैकेट) 5121/-
7842223545
UPI : 7842223545 @centralbank
SRI JAIN KUSHAL SHANTI GAU SEVA

दीपावली की सभी गौ भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं
आज सोमवार, 20-10-2025 एवं कल मंगलवार 21-10-2025 को अमावस्या है।
नारायणी गौ सेवा सदन
रोड न. 17, शालिवाहन नगर, मुसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद।
9581348889

गायत्री वेद फाउण्डेशन
श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय
श्री गौ सेवा सदन
निर्मल ज्योतिष केन्द्र
शुभ दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज सोमवार, 20-10-2025 एवं कल मंगलवार, 21-10-2025 अमावस्या है।
अन्नकूट 30-10-2025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

शुभ लाभ दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएँ
राधे राधे ग्रुप हैदराबाद
सतीश गुप्ता 9246505234 जगतनारायण अग्रवाल 9246535311
रामप्रकाश गोयल 9391014283 महेश अग्रवाल 9849098502

दिवाली त्योहार दीप का, मिलकर दीप जलाएंगे।
शुभ दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री एन.एस. राजेश्वर राव
श्री एन.आर. लक्ष्मण राव
अध्यक्ष, बजरंग सेना
तेलंगाना प्रदेश

हर्षोल्लास एवं
प्रकाशोत्सव के पावन पर्व
शुभ दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं
SHYAM BAHETI
MANOJ BAHETI
VISHAL BAHETI
GAURAV BAHETI
YASH BAHETI
Baheti Steel Traders
YOUR TRUSTED TMT DISTRIBUTOR
BAHETI STEEL TRADERS LLP
3-1-336, ESAMIYA BAZAR,
KOTI, HYDERABAD, 27.
+917036525252
BAHETI STEEL INDUSTRIES
11/3, NACHARAM - MALLAPUR RD,
BABA NAGAR, NACHARAM,
SECUNDRABAD, 76.
+919393945252
BAHETI STEELS
MOHAN NAGAR,
VIVEKANANDA COLONY,
BAIRAMALGUDA, 74.
+919393000632

कच्छी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सामूहिक मिलन में समाज हित के कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कच्छी मित्र मंडल, केवीओ जैन समाज, केड़िओ जैन महाजन, कच्छी बैंक, डीआरएम ट्रस्ट, मानव कल्याण सेवा समिति एवं अन्य कच्छी संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडल द्वारा सामूहिक मिलन में भविष्य में समाज के सदस्यों के हित के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए विचार-विमर्श हुआ। अवसर पर उपस्थित सुशील कापड़िया, नितिन धरोड़, पंकज सावला, दिनेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, लहेरचंद लोड़ाया, किरण रांभिया, निलेश छेड़ा, मनोज नागड़ा, मनोज सावला, हितेन संगोई, राजीव मामनिया, मनीष गाला, अमित गोगरी एवं अन्य।

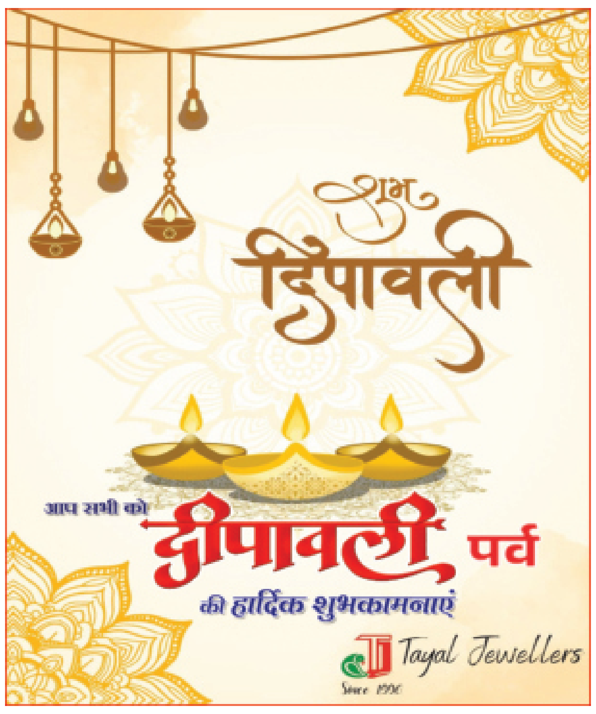

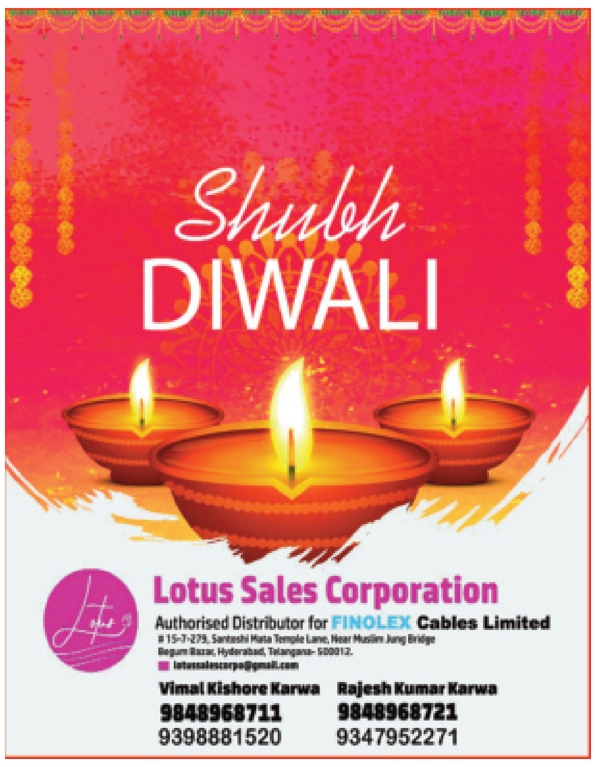

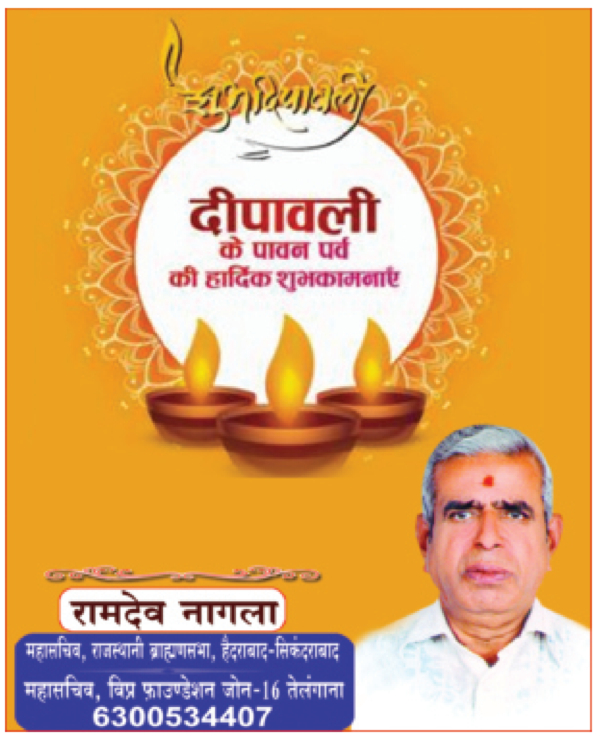

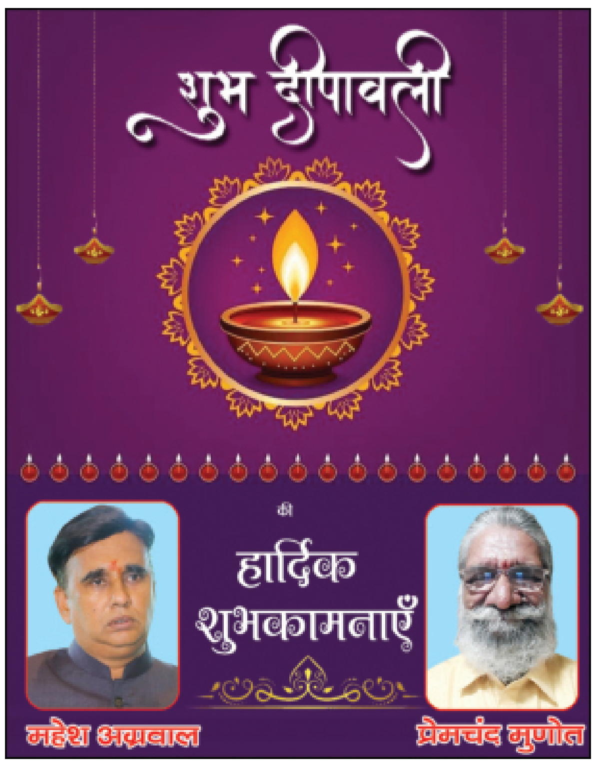

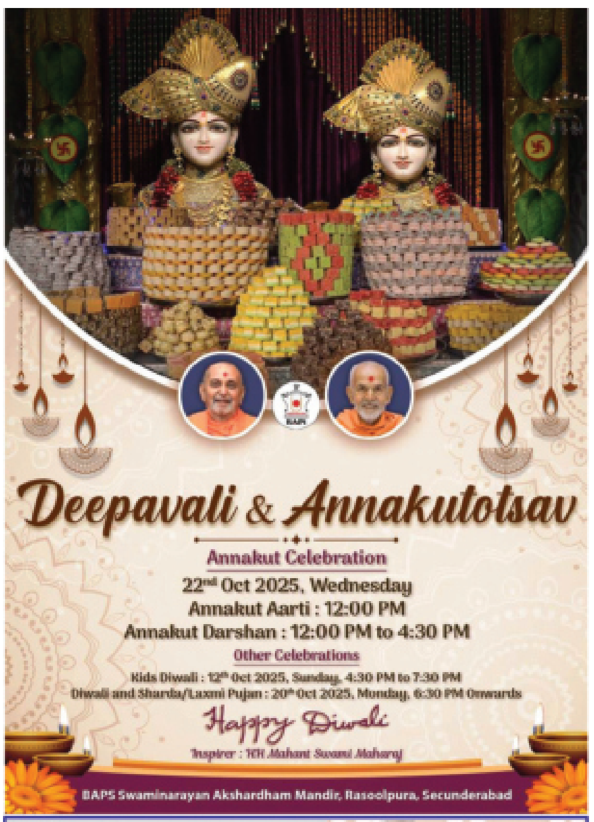

आप सभी को
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं
TECHNOSTRENGTH PVT.LTD
An ISO 9001:2015,14001:2015 and OHSAS 18001 Company
Oil Field Equipment and Gas Turbine Auxilliaries
Address : Plot # 131,132 & 20/A
Pashamylaram Industrial Park, Phase-III,
Patancheru Mandal-502307, Sangareddy Dist,
Telangana State. Ph +040 40123071 - 3074
TECHNOSTRENGTH

धनतेरस एवं रूप चौदस के शुभ अवसर पर हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, आलोक तिवारी। अवसर पर मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला एवं अन्य उपस्थित थे।

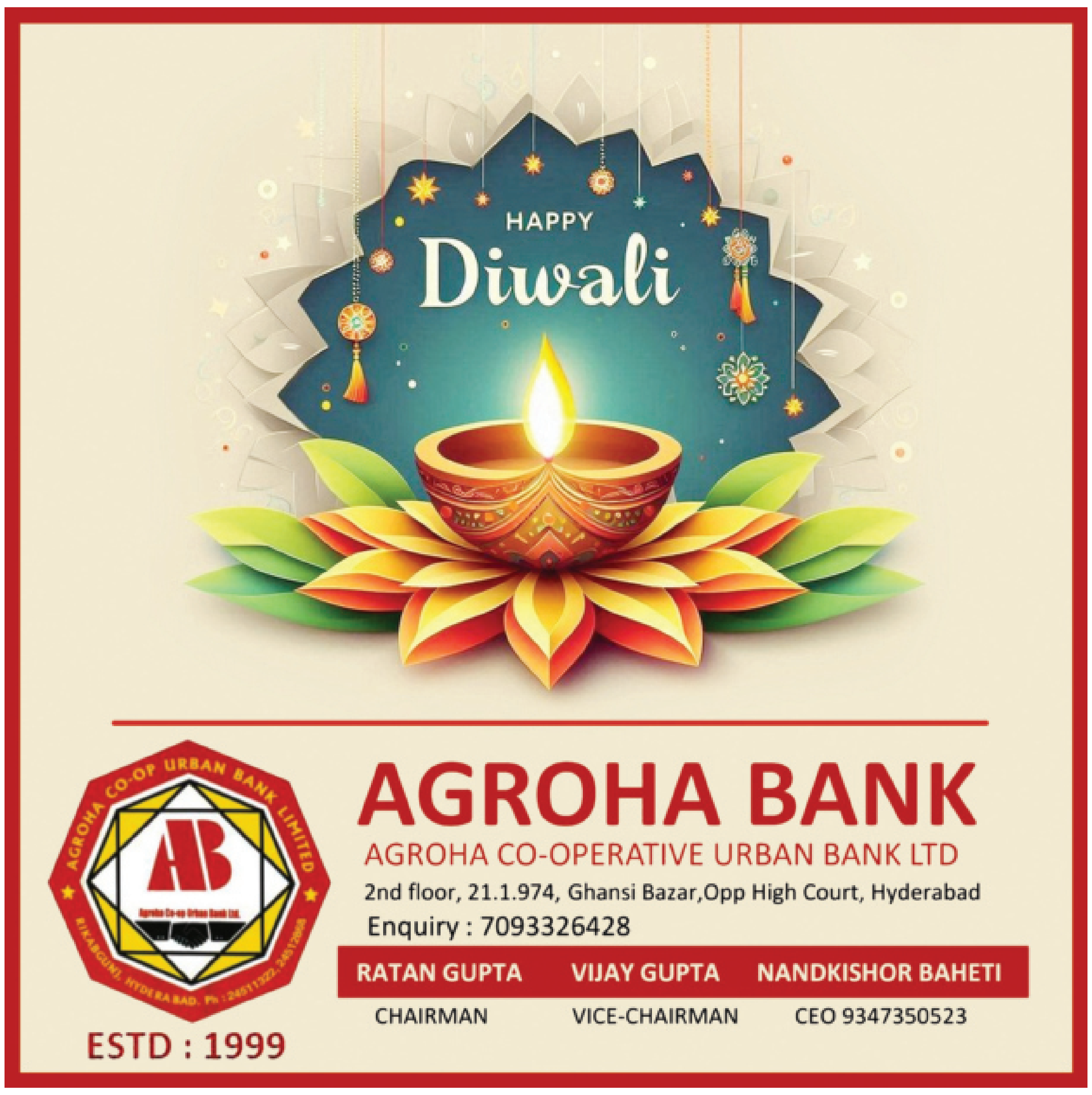

Happy Diwali

www.somanisteel.com

Somani

SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

सेल SAIL

Distributor of HR Sheets & Plates & Structural Steel for Telangana, Andhra Pradesh & Parts of Odisha

PRODUCTS

Long Products

- M.S Angles
- M.S Channels
- M.S Beams
- Narrow Parallel Flange Beams (NPB)
- Universal Columns
- TMT Bars / Rebbar
- M.S Pipes
- Rails & Crane Rails
- M.S Rounds & Squares

Flat Products

- M.S. Sheets / Plates
- Chequered Plates
- Sailma / High Tensile
- Boiler Quality Plates
- Sail Hard Plates
- M.S Flats

Authorised dealers of

सेल SAIL

आर.आइ.एन.एल RINL VIZAG STEEL Pride of Steel

JINDAL STEEL & POWER

एन एम डी सी NMDC

GET IN TOUCH

Hyderabad
11-6-27/1 2 & 3, Balanagar,
Opposite IDPL Factory,
Hyderabad - 500 037. (T.S.)
Tel. +91-40-23771877
Cell : +91 99080 99081
contact@somanisteel.com

Vizag
Plot No - 28, D Block Extn.
Behind SAIL Stock Yard, Autonagar,
Vishakapatnam - 530 012. (A.P.)
Tel. +91-891-2754044 / 45
Cell : +91 90003 04044
vizag@somanisteel.com

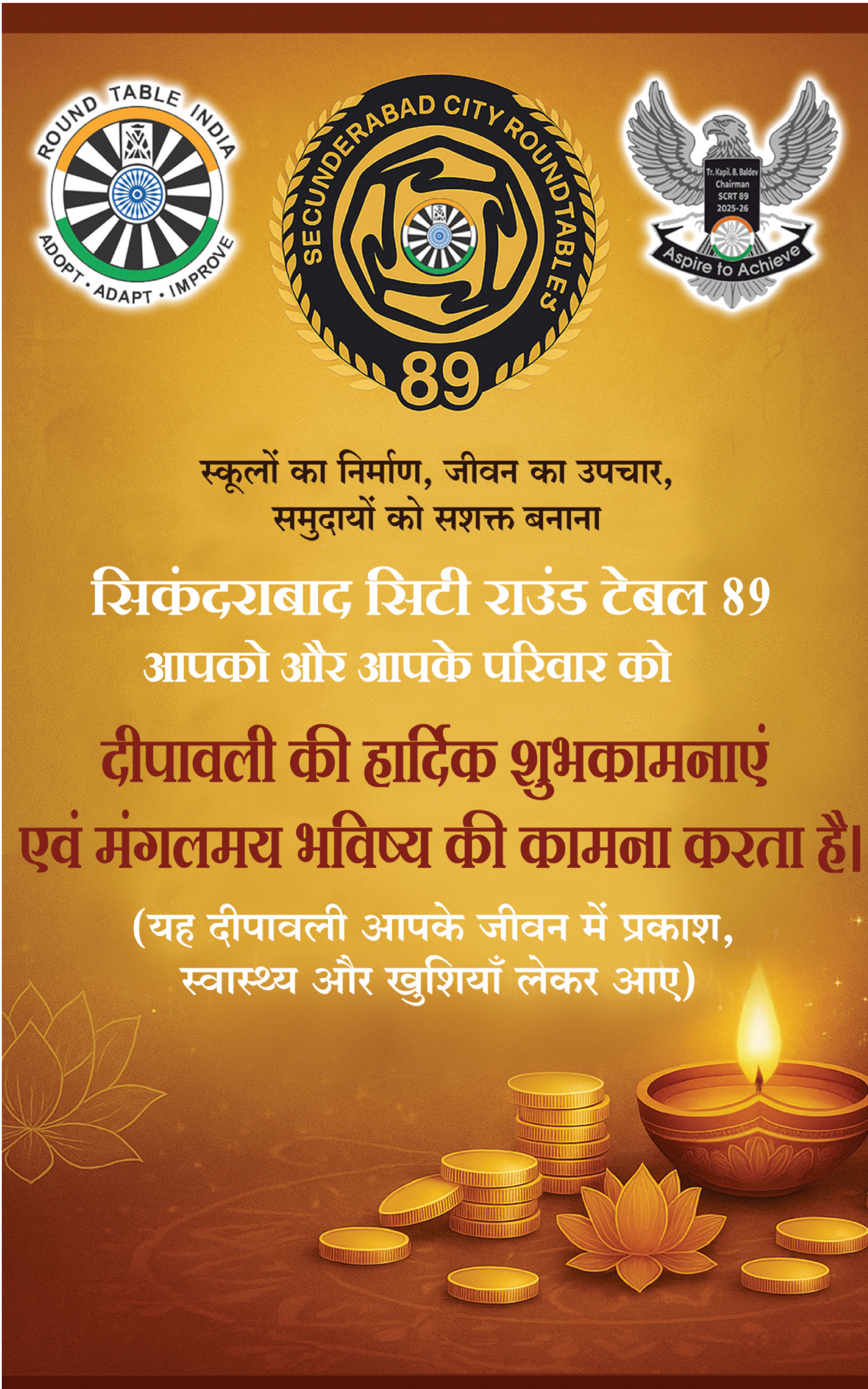
ROUND TABLE INDIA
ADOPT • ADAPT • IMPROVE
SECUNDERABAD CITY ROUNDTABLES
89
Tr. Kapil. B. Baldev
Chairman
SCRT 89
2025-26
Aspire to Achieve
स्कूलों का निर्माण, जीवन का उपचार,
समुदायों को सशक्त बनाना
सिकंदराबाद सिटी राउंड टेबल 89
आपको और आपके परिवार को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
एवं मंगलमय भविष्य की कामना करता है।
(यह दीपावली आपके जीवन में प्रकाश,
स्वास्थ्य और खुशियाँ लेकर आए)

MPL®
STEEL PIPES
Issi par hai bharosa

"इस दिवाली, हर दीप में जलाएँ भरोसे की रोशनी।"

आपको और आपके परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

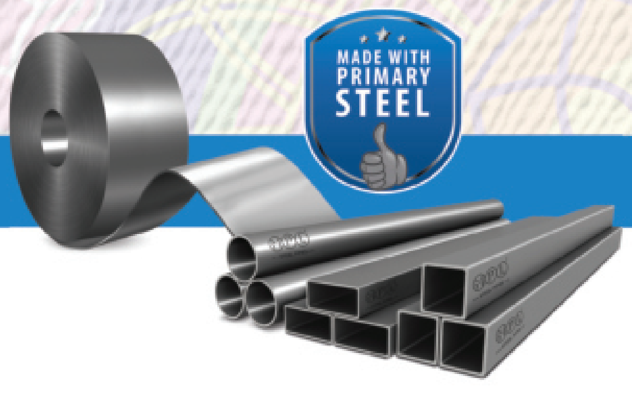

www.mplsteelpipes.com

MADE FROM 100% IS 10748
CERTIFIED HR COIL

SHREE GUJARATI PRAGATI SAMAJ
संगठन, शक्ति, सहकार, सेवा

श्री गुजराती प्रगति समाज

4-3-259, गुजराती गली, बैंक स्ट्रीट, सुल्तान बाज़ार, हैदराबाद

दीपावली, नव-वर्ष एवं लाभ पंचमी

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

ATITHI GRUH "DEEPAK BHAVAN" ✆ 040-24753716

KALYAN MANDAPAM ✆ 040-24754657

PRAGATI MAHAVIDYALAYA DEGREE & PG COLLEGE

PRAGATI MAHAVIDYALAYA JUNIOR COLLEGE

SRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL

SRI GUJARATI VIDYA MANDIR - JUNIOR, DEGREE COLLEGE FOR GIRLS
PRAGATI NUTAN VIDYALAYA - LKG to Vth CLASS

MUSHEERABAD PROPERTY LAND

Education institute for KG to PG, Guest House, Girls Hostel & BHAGINI Mahila Mandal etc.,

નૂતન સ્નેહ સમ્મેલન

કાર્યક્રમમાં હાર્દિક સ્વાગત કરીએ છીએ. આપ સર્વેને નુતન વર્ષા અભિનંદન.

સુપ્રસિદ્ધ કલાકારો તેમજ સાથી કલાકાર દ્વારા પ્રસ્તુત કરે છે

સાગર કાયા, લોક ગાયક

દિલુદાન ગઢવી, હાસ્ય/સાહિત્યકાર

લોકડાયરો

તારીખ: 22-10-2025 બુધવાર સાંજે 5.30 વાગ્યે

સ્થળ: ઘનશ્યામ ભવન, વસંત કોલોની પાસે, કાચીગુડા, હૈદરાબાદ

શીતલબેન ભૂવા, ગાયિકા

શ્રીમાન ગોવિંદ દાસ શાહ — પ્રમુખ

શ્રીમાન મહેશભાઈ પટેલ — ઉપપ્રમુખ

શ્રીમાન રાહુલ છેડા — સેક્રેટરી

શ્રીમાન અંબાલાલ પટેલ — ખજાનચી

શ્રીમતી ભારતીબેન એ. પટેલ, પ્રોગ્રામ સંચાલક

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.